

18.3.25

पत्रावली पोस्ट हुई। वारी व उनके अभिभाषक
अनुपरिचित। पत्रावली का अवलोकन किया गया।
आदेशीय दिनांक 4.9.25 का अवलोकन करने से
जात आया की वारी नाम की कृषु हो चुकी है।
तभी से नहीं वारी के वारिसन उपरिचित न ही
उनकी ओर से कोई अभिभाषक उपरिचित हुए बिना
पत्रावली अदम टाजरी अदम पैरवी में शरीर
की जाती है। पत्रावली कुमान शुमार कर दारिज
दफतर है।

उपस्थित अधिकारी
गढ़ी, जिला बसवादा

